

संक्षिप्त खबरें

पछिया ने बढ़ाई कनकनी, न्यूनतम तापमान आया नीचे

मुजफ्फरपुर पिछिया हवा के कारण 30 आठ कनकनी बढ़ गई। पूरे दिन सूर्य के दशन नहीं हुए। आमलोग घरों में दुबके रहे। जलवाया परिवर्तन पर उच्च अधिकारीयों के द्वारा जोड़े गये थे। इन्हें केंद्रीय कृषि विविधालय द्वारा जारी आज के नीति समके बारे में बताया गया है कि आज अधिकतम तापमान 15.1 डिग्री सेलिसियस पर पहुंच गया जो सामान्य से 5.1 डिग्री कम है। वहाँ न्यूनतम तापमान 10.5 डिग्री सेलिसियस रहा जो सामान्य से 1.3 डिग्री अधिक था। सुबह में सापेक्ष काला आद्रेता 99 प्रतिशत और दोपहर बाद घट कर 78 पर तिशंत हो गया।

पापोत्तर सजन 1.3 मीट्री तथा

पछिया हवा की गति 6.9 किमी

प्रति घंटा रही।

डीलरों ने अपनी मांगों के समर्थन में हड्डताल पर डटे रहने का लिया फैसला।

मधुबनी प्रखंड कार्यालय परिसर

में बूधवार को बिहार फेर प्राइस

डीलर्स एसोसिएशन के आहान

पर स्थानीय नान वितरण प्राप्ति

के तौर पर 10 अंतर्भूत वितरण

के द्वारा आयोजित कर रहे।

अंतिश्वासकालीन हड्डताल को

सफल बचाने के लिये हड्डताल के

दसदिवें दिन संघ के प्रखंड अधिक

योगेंद्र यादव की अध्यक्षता में एक

बैठक की बैठक में सभी कार्यालयों

परिवर्तन प्रणाली विक्रीतों वे

बताया दिया गया। जो कार्यालय

संरक्षणमति से निर्णय लिया गया

कि जब तक संगठन की मांगों

सरकार द्वारा मान नहीं ली जाती

तब तक हड्डताल आयी रहेगी।

जन वितरण प्रणाली विक्रीतों वे

बताया दिया गया। जो कार्यालय

संरक्षणमति से निर्णय लिया गया

कि जब तक संगठन की मांगों

सरकार द्वारा मान नहीं ली जाती

तब तक हड्डताल आयी रहेगी।

जन वितरण प्रणाली विक्रीतों वे

बताया दिया गया। जो कार्यालय

संरक्षणमति से निर्णय लिया गया

कि जब तक संगठन की मांगों

सरकार द्वारा मान नहीं ली जाती

तब तक हड्डताल आयी रहेगी।

जन वितरण प्रणाली विक्रीतों वे

बताया दिया गया। जो कार्यालय

संरक्षणमति से निर्णय लिया गया

कि जब तक संगठन की मांगों

सरकार द्वारा मान नहीं ली जाती

तब तक हड्डताल आयी रहेगी।

जन वितरण प्रणाली विक्रीतों वे

बताया दिया गया। जो कार्यालय

संरक्षणमति से निर्णय लिया गया

कि जब तक संगठन की मांगों

सरकार द्वारा मान नहीं ली जाती

तब तक हड्डताल आयी रहेगी।

जन वितरण प्रणाली विक्रीतों वे

बताया दिया गया। जो कार्यालय

संरक्षणमति से निर्णय लिया गया

कि जब तक संगठन की मांगों

सरकार द्वारा मान नहीं ली जाती

तब तक हड्डताल आयी रहेगी।

जन वितरण प्रणाली विक्रीतों वे

बताया दिया गया। जो कार्यालय

संरक्षणमति से निर्णय लिया गया

कि जब तक संगठन की मांगों

सरकार द्वारा मान नहीं ली जाती

तब तक हड्डताल आयी रहेगी।

जन वितरण प्रणाली विक्रीतों वे

बताया दिया गया। जो कार्यालय

संरक्षणमति से निर्णय लिया गया

कि जब तक संगठन की मांगों

सरकार द्वारा मान नहीं ली जाती

तब तक हड्डताल आयी रहेगी।

जन वितरण प्रणाली विक्रीतों वे

बताया दिया गया। जो कार्यालय

संरक्षणमति से निर्णय लिया गया

कि जब तक संगठन की मांगों

सरकार द्वारा मान नहीं ली जाती

तब तक हड्डताल आयी रहेगी।

जन वितरण प्रणाली विक्रीतों वे

बताया दिया गया। जो कार्यालय

संरक्षणमति से निर्णय लिया गया

कि जब तक संगठन की मांगों

सरकार द्वारा मान नहीं ली जाती

तब तक हड्डताल आयी रहेगी।

जन वितरण प्रणाली विक्रीतों वे

बताया दिया गया। जो कार्यालय

संरक्षणमति से निर्णय लिया गया

कि जब तक संगठन की मांगों

सरकार द्वारा मान नहीं ली जाती

तब तक हड्डताल आयी रहेगी।

जन वितरण प्रणाली विक्रीतों वे

बताया दिया गया। जो कार्यालय

संरक्षणमति से निर्णय लिया गया

कि जब तक संगठन की मांगों

सरकार द्वारा मान नहीं ली जाती

तब तक हड्डताल आयी रहेगी।

एमटीए अभियान की सफलता में डीसीएम व डीएमएंडी की होगी अहम भूमिका : परमेश्वर प्रसाद

प्रातः किरण संवाददाता



पटना। भारत सरकार वर्ष 2030 के बदले अब वर्ष 2027 तक देश से फाइलेरिया उन्मूलन का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य को पाने के लिए सभी को सर्वजन दवा सेवन (एमटीए) के अधियान को जन आदानप्रदान के रूप में विकसित करना होगा।

पटना। भारत सरकार वर्ष 2030 के बदले अब वर्ष 2027 तक देश से फाइलेरिया उन्मूलन का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य को पाने के लिए सभी को सर्वजन दवा सेवन (एमटीए) के अधियान को जन आदानप्रदान के रूप में विकसित करना होगा।

पटना। भारत सरकार वर्ष 2030 के बदले अब वर्ष 2027 तक देश से फाइलेरिया उन्मूलन का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य को पाने के लिए सभी को सर्वजन दवा सेवन (एमटीए) के अधियान को जन आदानप्रदान के रूप में विकसित करना होगा।

पटना। भारत सरकार वर्ष 2030 के बदले अब वर्ष 2027 तक देश से फाइलेरिया उन्मूलन का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य को पाने के लिए सभी को सर्वजन दवा सेवन (एमटीए) के अधियान को जन आदानप्रदान के रूप में विकसित करना होगा।

पटना। भारत सरकार वर्ष 2030 के बदले अब वर्ष 2027 तक देश से फाइलेरिया उन्मूलन का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य को पाने के लिए सभी को सर्वजन दवा सेवन (एमटीए) के अधियान को जन आदानप्रदान के रूप में विकसित करना होगा।

पटना। भारत सरकार वर्ष 2030 के बदले अब वर्ष 2027 तक देश से फाइलेरिया उन्मूलन का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य को पाने के लिए सभी को सर्वजन दवा सेवन (एमटीए) के अधियान को जन आदानप्रदान के रूप में विकसित करना होगा।

पटना। भारत सरकार वर्ष 2030 के बदले अब वर्ष 2027 तक देश से फाइलेरिया उन्मूलन का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य को पाने के लिए सभी को सर्वजन दवा सेवन (एमटीए) के अधियान को जन आदानप्रदान के

